पाठ-10

प्राकृतिक प्रदेश एवं जनजीवन-2

मानसूनी प्रदेश

आप अपने देश की जलवायु के सम्बन्ध में पढ़ चुके हैं। अपने देश में किस माह में अधिक ठण्ड पड़ती है, और किस माह में अधिक गर्मी पड़ती है ? बताइए।

हमारे भारत में मौसमी पवनों द्वारा वर्षा होने के कारण भारत की जलवायु को मानसूनी जलवायु कहा जाता है। आइए हम पता करें कि हमारे देश की भाँति संसार के किन-किन क्षेत्रों में मानसूनी पवनों द्वारा वर्षा होती है। मौसमी पवनों द्वारा जहाँ-जहाँ वर्षा होती है, उन क्षेत्रों को मानसूनी प्रदेश के नाम से जाना जाता है।

भूमध्य रेखा

मानचित्र सं. 10.1 विश्व मानचित्र पर मानसूनी प्रदेश

ये प्रदेश भूमध्य रेखा के दोनों ओर 50 से 300 अक्षांशों के बीच महाद्वीपों के पूर्वी तट पर पाए जाते हैं। यहाँ मौसम परिवर्तन के कारण ग्रीष्म काल उष्ण और नम तथा शीतकाल शुष्क होता है। यह प्रदेश संसार में भारतीय उपमहाद्वीप, दक्षिणी-पूर्वी एशिया, अफ्रीका के पूर्वी तटवर्ती भाग, उत्तरी अमेरिका के खाड़ी तटीय भाग व पश्चिमी द्वीप समूह एवं मध्य अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया के उत्तरी तटीय भाग में पाया जाता है। इसके विस्तार को संसार के मानचित्र संख्या 10.1 में देखिए।

मानचित्र एवं एटलस की सहायता से मानसूनी प्रदेश में स्थित प्रमुख देशों के नाम लिखिए।

□एशिया महाद्वीप के देश .....

□अमेरिका महाद्वीप के देश .....

□अफ्रीका महाद्वीप के देश .....

□यूरोप महाद्वीप में मानसूनी प्रदेश का विस्तार नहीं पाया जाता है। चर्चा कीजिये।

विशेषताएँ

जलवायु

□इस प्रदेश में गर्मी में भयंकर गर्मी और सर्दियों में ठण्ड पड़ती है।

□वार्षिक तापमान 70 से 400 सेग्रे के मध्य रहता है।

□तापान्तर पर सागर से दूरी व वर्षा की मात्रा का प्रभाव अद्दिक रहता है।

□वार्षिक वर्षा का औसत 25 से 250 सेमी के मध्य रहता है।

□मानसूनी प्रदेशों में वर्षा चक्रवाती तथा पर्वतीय प्रकार की होती है। कुछ वर्षा संवहनीय प्रकार की भी होती है।

□यहाँ 6 महीने तक हवाएँ सागर से स्थल की ओर तथा शेष 6 महीनों में स्थल से सागर की ओर चला करती हैं।

□यहाँ तीन मौसम होते हैं - ग्रीष्मकाल, वर्षाकाल व शीतकाल।

□इस प्रदेश में अद्दिकांश वर्षा, वर्षा ऋतु में समुद्र की ओर से चलने वाली हवाओं द्वारा होती है।

□उत्तरी भाग में मई-जून माह में गर्म हवाएँ-लू चलती हैं।

□इन प्रदेशों में एकाएक घनघोर वर्षा के कारण नदियों में बहुद्दा बाढ़ आती है।

□यहाँ प्रत्येक वर्ष वर्षा नहीं होती, बीच-बीच में सूखा भी पड़ जाता है।

□वर्षा की मात्रा, वितरण और समय आदि सभी अनिश्चित होते हैं।

प्राकृतिक वनस्पति

□यहाँ विविद्द प्रकार की वनस्पतियाँ, सदाबहार वन, पतझड़ वन, घास के मैदान, कँटीली झाड़ियाँ आदि पाई जाती हैं।

□इस प्रदेश की प्राकृतिक वनस्पति का अनुमान आप भारत की प्राकृतिक वनस्पति के आद्दार पर कर सकते हैं। यहाँ के सागौन, साखू, टीक, शीशम, आम, महुआ, चन्दन आदि प्रमुख वृक्ष हैं।

□जीव-जन्तुओं में हाथी, गैण्डा जैसे विशाल शाकाहारी पशु से लेकर पालतू जानवर भेंड़, बकरी, गाय, बैल आदि पाए जाते हैं।

□घने जंगलों में शेर, चीता एवं छोटे-छोटे माँसाहारी पशु पाए जाते हैं।

□सर्दियों में साइबेरिया से आने वाली अनेक चिड़ियाँ इस प्रदेश में प्रवास करती हैं।

□थाईलैण्ड के वनों में भूरे रंग के हाथी मिलते हैं।

मानसूनी प्रदेश की मुख्य बातें -

केवल वर्षा काल के लघु अवद्दि में वर्षा, लम्बे समय तक उच्च तापमान, लघु अवद्दि का शरद काल, पतझड़ी वनस्पतियों का विस्तार, उपजाऊ मिट्टी का आवरण, अद्दिक जनसंख्या का घनत्व इस प्रदेश की प्रमुख विशेषताएँ हैं। मानसूनी प्रदेश विश्व का एक ऐसा प्रदेश है जहाँ सभी परिवेश की जलवायु, जीव-जन्तु और वनस्पतियाँ पाई जाती हैं। यह प्रदेश भूमध्य रेखीय और उष्ण घास प्रदेश का औसत स्वरूप है।

विचार कीजये कि बस्ती बसने के लिए किन-किन चीजों की आवश्यकता होती है ?

मानव जीवन

यह प्रदेश संसार में अपनी कृषि उपजों, वन सम्पदा, उद्योग द्वन्द्वों, प्राचीन सभ्यता तथा सघन जनसंख्या के लिए प्रसिद्ध है। मानसूनी प्रदेश की अनुकूल परिस्थितियाँ कृषि, बागवानी, पशुपालन, उद्योग और व्यापार के लिए आदर्श रही हैं। यही कारण है कि सिन्दु-गंगा के मैदान मंें आदि सभ्यता का जन्म हुआ। एटलस की सहायता से मानसूनी एशिया की मुख्य नदियों के नाम लिखिए।

यहाँ की अनुकूल जलवायु, उपजाऊ-भूमि, खनिज तथा अन्य प्राकृतिक साद्दनों की सुलभता मानव जीवन पर अच्छा प्रभाव डालती है। जनसंख्या के अद्दिक दबाव के कारण इस प्रदेश के वन काटे जा रहे हैं तथा कृषि योग्य भूमि में बदलकर खेती की जा रही है। यहाँ पर लौह-अयस्क, कोयला, अभ्रक, मैंग्नीज, टिन, चाँदी, सीसा आदि खनिज पदार्थ पाए जाते हैं। इन खनिजों पर आद्दारित उद्योगों के नाम अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर लिखिए। .....

मानसूनी प्रदेश संसार के कृषि प्रदेशों में प्रमुख हैं। इस प्रदेश की लगभग दो-तिहाई जनसंख्या के जीविकोपार्जन का मुख्य साधन कृषि है। संसार का अधिकांश चावल, चाय,

दालें, कहवा, गन्ना, जूट, एवं कपास मानसूनी प्रदेशों में होता है। इस प्रदेश में तम्बाकू, जौ, गेहूँ, चना आदि फसलें भी उगाई जाती हैं। यहाँ पशुपालन के लिए आदर्श परिवेश उपलब्द्द है। विश्व के सबसे अद्दिक चौपाये मानसूनी प्रदेशों में ही पाए जाते हैं। मानसूनी प्रदेशों की कृषि बहुत कुछ वर्षा पर निर्भर है। वर्षा की अनिश्चितता के कारण कभी-कभी सूखा तथा अकाल की स्थितियाँ भी आ जाती हैं।

चर्चा कीजिये अपने देश में कृषि पर आद्दारित उद्योगों के नाम अभ्यास-पुस्तिका पर लिखिए-

.....
.....।

इस प्रदेश की अद्दिकांश जनसंख्या ग्रामों में निवास करती है परन्तु अनेक विशाल नगरों का भी विकास हुआ है। यह प्रदेश विश्व के स्थल भागों के 5 प्रतिशत क्षेत्रफल में फैली है किन्तु विश्व की 30 प्रतिशत जनसंख्या यहाँ निवास करती है। अतः इस प्रदेश में जनसंख्या का घनत्व अद्दिक है।

सोचकर अपनी अभ्यास-पुस्तिका पर लिखिए कि मानसूनी प्रदेश में जनसंख्या के जमघट के क्या कारण हैं......
.....।

अब इस क्षेत्र में कृषि के साथ-साथ औद्योगिक प्रगति की ओर भी अद्दिक ध्यान दिया जा रहा है। इस प्रदेश का सबसे अद्दिक विकसित देश भारत है। वर्तमान युग में मानसूनी प्रदेशों पर पश्चिमी सभ्यता का समुचित प्रभाव पड़ा है। यहाँ अनेक विदेशी लोग आकर बस गए। अंग्रेजों ने भारत में कब आकर बसना प्रारम्भ किया ?

इस प्रदेश के कराची, मुम्बई, कोलकाता, यांगून, सिंगापुर, जकार्ता, ढाका, काठमाण्डू, कोलम्बो आदि प्रमुख नगर हैं। एटलस की सहायता से इनकी स्थिति को जानिए।

पश्चिम यूरोपीय तुल्य प्रदेश

आपने इंग्लैण्ड देश के बारे में सुना होगा। हमें 15 अगस्त 1947 को इंग्लैण्ड के शासन से आजादी मिली थी। इंग्लैण्ड, यूरोप महाद्वीप का एक महत्वपूर्ण देश है। इसे एक ठण्डी जलवायु वाले देश के रूप में जाना जाता है। क्या आपने कभी विचार किया है कि वहाँ का मौसम, लोगों का रहन - सहन, आर्थिक क्रियाकलाप आदि कैसे होंगे ?

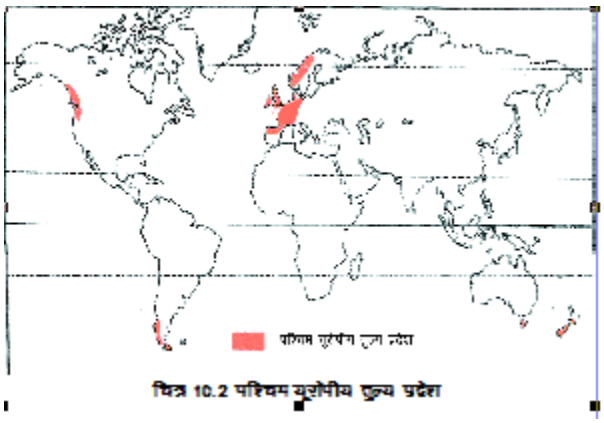

चित्र 10.2 पश्चिम यूरोपीय तुल्य प्रदेश

आइए जानें-

ऐसे प्रदेश को पश्चिम-यूरोपीय तुल्य प्रदेश कहते हैं। इन प्रदेशों का विस्तार दोनों गोलाद्र्धों में 400 से 650 अक्षांशों के मध्य महाद्वीपों के पश्चिमी किनारों पर पाया जाता है। इस प्रदेश में उत्तर-पश्चिमी यूरोप के अतिरिक्त कनाडा का ब्रिटिश कोलम्बिया प्रान्त, दक्षिण अमेरिका में चिली का दक्षिणी भाग एवं न्यूजीलैण्ड का दक्षिणी भाग शामिल है।

जलवायु

यह प्रदेश वर्ष भर पछुआ पवनों के प्रभाव में रहता है। इसलिए यहाँ साल भर शीतोष्ण कटिबन्धीय चक्रवातों के कारण वर्षा होती है। वर्षा की मात्रा ग्रीष्मकाल की तुलना में शीतकाल में अधिक होती हैं।

प्राकृतिक वनस्पति

पश्चिम यूरोपीय तुल्य प्रदेश में घने पर्णपाती वन पाये जाते हैं। इन वनों मंे वृक्ष शीतकाल मंे पत्तियाँ गिरा देते हैं। इस प्रकार वे शीत एवं हिमपात से अपनी रक्षा करते हैं। बसंत ऋतु के आगमन के साथ ही वृक्ष पुनः हरे-भरे हो जाते हैं। इनमें ओक,

एल्म, बर्च, बीच, पोपलर, हार्नबीम जैसे पर्णपाती वृक्ष महत्वपूर्ण हैं। पहाड़ी ढालों एवं उत्तरी भागों में शंकुधारी वृक्ष पाये जाते हैं। इन वनों में रेडवुड, लिन्डेन, फर स्प्रूस सिडार आदि वृक्ष पाये जाते हैं। हिरण, लोमड़ी, भेड़िया आदि यहाँ पाए जाने वाले सामान्य जीव-जन्तु हंै।

मानव गतिविधियाँ

यह आर्थिक रूप से विकसित प्रदेश है। यहाँ कृषि एवं उद्योग-धन्धे विकसित अवस्था में हैं। बड़े पैमाने पर पर्णपाती वनों को साफ कर विस्तृत एवं गहन कृषि की जा रही है। गेहूँ, जौ, आलू चुकन्दर यहाँ की मुख्य फसलें हैं। कृषि एवं पशुपालन साथ-साथ किया जाता है। यहाँ की अधिकांश जनसंख्या नगरों में निवास करती है। उनकी माँग को पूरा करने के लिए फलों एवं सब्जियों की व्यापारिक बागवानी कृषि की जाती है। न्जूजीलैण्ड में भेड़ पालन व्यापरिक स्तर पर किया जाता है। यहाँ से ऊन एवं भेड़ के माँस का निर्यात किया जाता है।

चीन तुल्य प्रदेश

आप महाद्वीपों के पश्चिमी भागों में 300 से 400 अक्षांशों के बीच स्थित भूमध्य सागरीय प्राकृतिक प्रदेश के बारे में जानते हैं। आप सोच रहे होंगे कि इन्हीं अक्षांशों के बीच महाद्वीपों के पूर्वी भागों में स्थित प्रदेश की क्या विशेषताएँ होंगी ?

आइए जानें-

इन प्रदेशों को चीन देश के नाम पर चीन तुल्य प्रदेश कहा जाता है। इस प्रदेश का विस्तार शीतोष्ण कटिबन्ध में महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर 250 से 400 अक्षांक्षों के मध्य पाया जाता है। इस प्रदेश में मुख्य रूप से दक्षिण पूर्वी चीन, दक्षिण पूर्वी संयुक्त राज्य अमेरिका, दक्षिण पूर्वी, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका का पूर्वी तट तथा अस्टेªेलिया का दक्षिण पूर्वी भाग शामिल है।

जलवायु

इस प्रदेश में ग्रीष्म ऋतु में साधारण वर्षा होती है तथा शीतकाल शुष्क रहता है। महाद्वीपों के भीतरी भागो मंे वर्षा की मात्रा घटती जाती है।

प्राकृतिक वनस्पति

इस प्रदेश के मैदानी भागों में पर्णपाती एवं सदाबहार वन मिश्रित रूप से पाये जाते हैं। ऊँचे भागों में शंकुधारी वृक्ष मिलते हैं। इन वनों मंे जैतून, चीड़, युकलिप्टस जैसे मूल्यवान वृक्ष सामान्य रूप से पाये जाते हैं।

मानव गतिविधियाँ

यह प्रदेश गहन कृषि के लिए विख्यात है। यहाँ शीत ऋतु में साधारण ठण्ड पड़ती है अतः सिंचाई की सुविधा होने पर पूरे वर्ष फसलें उगाई जा सकती हैं। चावल यहाँ की मुख्य फसल है तथा सिंचित क्षेत्रों में दो-दो फसलंे उगाई जाती हैं।

सेंट लारेंश तुल्य प्रदेश

सेंट लारेंश तुल्य प्रदेश केवल उत्तरी गोलार्ध में महाद्वीपों के पूर्वी किनारों पर 450 से 650 उत्तरी अक्षांशों के मध्य पाये जाते हंै। कहीं-कहीं इसका विस्तार 350 उत्तरी अक्षांश तक भी पाया जाता है। इस प्रदेश में संयुक्त राज्य अमेरिका का उत्तर-पूर्वी भाग, कनाडा का पूर्वी भाग, चीन का उत्तरी भाग, कोरिया तथा जापान का उत्तरी भाग शामिल है।

जलवायु

इस प्रदेश में साल भर वर्षा होती है, परन्तु ग्रीष्म काल में शीतकाल की अपेक्षा अधिक वर्षा होती है। शीतकाल, चीन तुल्य प्रदेश की तुलना में अधिक कठोर होता है।

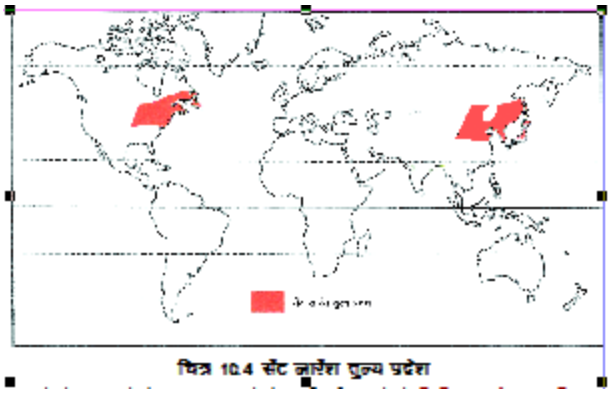

चित्र 10.4 सेंट लॉरेंस तुल्य प्रदेश

प्राकृतिक वनस्पति

इस प्रदेश के आर्द्र तटवर्ती भागों में कोणधारी वन तथा आन्तरिक भागों में घास के मैदान पाए जाते हैं। दक्षिणी भागों में मिश्रित कोणधारी एवं पर्णपाती वन मिलते हैं। इन वनों के मुख्य वृक्ष चीड़, स्प्रूस, हेमलाक आदि है।

मानव गतिविधियाँ

इस प्रदेश के अधिकांश घास के मैदानों को साफ कर वसन्तकालीन गेहूँ की विस्तृत कृषि की जा रही है। कनाडा तथा संयुक्त राज्य अमेरिका मंे लकड़ी, लुग्दी एवं कागज उद्योग का बड़े पैमाने पर विकास किया हुआ है। इस प्राकृतिक प्रदेश में बड़ी संख्या में विशाल औद्योगिक नगर स्थित हैं। आप एटलस पर इस प्रदेश में स्थित प्रमुख नगरों को देखिए।

अभ्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए-

(क) मानसूनी प्रदेश के एशियाई देशों के नाम लिखिए।

(ख) मानसूनी प्रदेश का नाम कैसे पड़ा ?

(ग) मानसूनी प्रदेश में वर्षा किस ऋतु में अधिक होती है ?

(घ) मानसूनी प्रदेश की मुख्य फसलें कौन-कौन सी हैं ?

(ङ) मानसूनी प्रदेश के चाय और चावल के दो प्रमुख उत्पादक देश कौन से हैं ?

2. कारण बताइए-

(क) मानसूनी प्रदेश में जनसंख्या अधिक निवास करती है।

(ख) यूरोप महाद्वीप में मानसूनी प्रदेश नहीं पाए जाते हैं।

(ग) मानसूनी प्रदेश में बाढ़ और सूखा पड़ता है।

(घ) सर्दियों में साइबेरिया के पक्षी मानसूनी प्रदेश में प्रवास करते हैं ।

(ङ) चीन तुल्य प्रदेश में वर्ष भर कृषि की जाती है।

3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(क) मानसूनी प्रदेश महाद्वीपों के ..... स्थित हैं।

(ख) मानसूनी प्रदेश में पशुपालन के लिए ..... उपलब्ध है।

(ग) मानसूनी प्रदेश की कृषि बहुत कुछ ..... पर निर्भर होती है।

(घ) मानसूनी प्रदेश में ..... की वनस्पतियाँ पाई जाती हैं।

(ङ) पश्चिम यूरोपीय तुल्य प्रदेश में ..... काल में अधिक वर्षा होती है।

(च) सेंट लारेंश तुल्य प्रदेश में ..... गेहूँ की विस्तृत कृषि की जाती है।

4. सही जोड़े बनाइए-

कराची	इंडोनेशिया
यांगून	नेपाल
काठमाण्डू	बांग्लादेश
ढाका	पाकिस्तान
जकार्ता	म्यांमार

भौगोलिक कुशलताएँ-

- विश्व के एक रिक्त मानचित्र पर निम्नलिखित प्रदेशों को अलग-अलग रंगों से छायांकित कीजिए-

मानसूनी प्रदेश, सेंट लारेंश तुल्य प्रदेश, चीन तुल्य प्रदेश

- विश्व के रिक्त मानचित्र पर मानसूनी प्रदेश के प्रमुख नगरों को एटलस की सहायता से दिखाइए।

परियोजना कार्य(Project work)

- पतझड वन, सदाबहार वन तथा कोणधारी वन के वृक्षों के चित्रों को एकत्रित कर कोलॉज बनाइए।